

>

Title : Massive damage due to breach of Kushha embankment on Kosi river.

**श्री शरद यादव (मधेपुरा):** बिहार में एक वर्ष पहले बाढ़ आयी थी, जिसे प्रधान मंत्री जी ने राष्ट्रीय विपदा कहा था। कोसी क्षेत्र में पिछली बार 50 लाख लोग सराबोर हो गये। वहां मकान, खेत-खलिहान, सड़क, स्कूल, घरद्वार, अस्पताल, गाय-बैंस, आदमी, रेल ट्रैक आदि सब चीजें तबाह और बर्बाद हो गयी हैं। वहां प्रधान मंत्री जी, आडवाणी जी, सोनिया जी, राजनाथ जी समेत कई लोग गये थे। देश का कोई भी आदमी ऐसा नहीं है, जो वहां न गया हो। प्रधान मंत्री जी ने आज तक कभी, मुझे याद नहीं, उसे राष्ट्रीय विपदा कहा हो। वहां 18 अगस्त को बाढ़ आयी थी। इस बात को एक वर्ष बीतने वाला है। बंगाल में आइला आया, तूफान आया, आपने एक हजार करोड़ रुपये दिये, आप वहां और ज्यादा रुपये दीजिए, मुझे कोई एतराज नहीं है। लेकिन मुझे बात समझ में नहीं आती कि दो-तीन पहले गृह मंत्री जी ने कहा कि यूपीए सरकार किसी के साथ पक्षपात नहीं करती। ...(व्यवधान)

**श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर):** उन्होंने एक हजार करोड़ रुपया वापस ले लिया। ...(व्यवधान)

**श्री शरद यादव (मधेपुरा):** मैंने उस समय भी निवेदन किया था, आप भी उस दिन थी, यह ठीक बयानी नहीं हो रही है, गलत बयानी कर रहे हैं। इस सारे मामले को एक बरस बीत रहा है। एक थेला भी वहां नहीं दिया गया। अब फिर बरसात आने वाली है। वहां तबाही मची हुई है। यह जिम्मेदारी भारत सरकार की है और राज्य सरकार की भी है। [MSOffice1] प्रधानमंत्री जी बोल रहे थे कि हमारी सरकार कोई पक्षपात नहीं करती है। बिहार के मुख्य सचिव को यह पत्र 27 अप्रैल, 2009 को भेजा गया है। यह शून्य काल है, समय कम है, अगर मैं पूरा पत्र पढ़ूँगा तो ठीक बात नहीं होगी। वह कह रहे थे कि पहले दिया हुआ पैसा, 1000 करोड़ रुपए जो तत्काल हर जगह दिए जाते हैं, उसके बारे में जैसे ही चुनाव खत्म हुए, बिहार के मुख्य सचिव को जो पत्र भेजा गया, उसमें एक वाक्य एतामिंग है:

"The entire amount of Rs. 1,000 crore released from the NCRF on an account basis is required to be recovered." ...(Interruptions)

महोदया, यहां वित्त मंत्री जी बैठे हुए हैं। वह इस सदन के नेता भी हैं। ...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** कृपया आप लोग बैठ जाइए।

â€“(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया :** सिर्फ शरद यादव जी का स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया जाएगा। यादव जी, कृपया आप बोलिए।

...(व्यवधान) \*

**अध्यक्ष महोदया :** कृपया माननीय सदस्य को बोलने दीजिए।

**श्री शरद यादव :** महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसी भयंकर तबाही जिसको प्रधानमंत्री जी राष्ट्रीय विपदा कहकर आए, पूरे देश का राजनीतिक नेतृत्व वहां गया, लेकिन आपने रिकंस्ट्रक्शन पैकेज के लिए एक रुपया नहीं पहुंचाया। आपने बंगाल में 1000 करोड़ रुपए दिए। आप उनको और ज्यादा दीजिए, हमें कोई एतराज नहीं है, लेकिन बिहार की त्रासदी जिसको आपने राष्ट्रीय विपदा कहा। उड़ीसा के हमारे साथी बता रहे हैं कि उड़ीसा में भी इसी तरह से पैसे वापस मांगे गए हैं। वित्त मंत्री जी, आप इस सदन के नेता भी हैं, इस मामले में मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ऐसा जुल्म, ऐसा अन्याय हो रहा है। उस इलाके से मैं चुनाव जीतकर आता हूं। इस बार वहां से मैंने चुनाव भी लड़ा था, मैं जीतकर भी आया। आचार्य कृपलानी, ललित नारायण मिश्रा जैसे कई बड़े-बड़े नेता वहां से आए हैं। उस इलाके में 50 लाख लोग पूरी तरह से तबाह हो गए, बर्बाद हो गए। आज समय नहीं है, नियम 193 में चर्चा कराने के लिए आपसे निवेदन किया है। मैंने आपसे निवेदन किया कि इस पर थोड़ा समय चाहिए। मैं सरकार से कहूँगा कि इस पर जल्दी से जल्दी कोई रास्ता निकालें। बरसात आ गयी है, कोसी का वह इलाका इतना

---

\* Not recorded.

तबाही वाला है, कोसी हमेशा इतिहास में इधर-उधर चलती रही है। फिर से वहां तबाही आ जाएगी। वहां फिर से पानी अंदर आ गया है। इसलिए मैं आपसे निवेदन करूँगा कि वहां फिर से बड़ी तबाही होने वाली है, आप इस पर तत्काल ध्यान दें। होम मिनिस्टर साहब ने जो बात कही, वह ठीक बात नहीं है। आपने पैसा वापस करने के लिए कहा है। जब वहां के चीफ मिनिस्टर ने पत्रकारवार्ता की और कहा कि इस तरह का पत्र मेरे पास आया है, तो प्रधानमंत्री जी ने उनको टेलीफोन से कहा कि यदि कोई ऐसी गड़बड़ हुई है तो उसको सुधारने का काम करेंगे। दो-तीन महीने का समय हो गया है, आपने इस पर जरा सा भी ध्यान नहीं दिया है। मेरी विनती है कि वह इलाका फिर से तबाही की कगार पर है, फिर से वहां बाढ़ आने वाली है, इसलिए आप इस पर जल्दी से जल्दी कोई निर्णय लेने का काम करें। आपके माध्यम से यही सरकार से मेरी विनती है।

**अध्यक्ष महोदया :**

श्री राजीव रंजन सिंह जी आप श्री शरद यादव जी के भाषण के साथ स्वयं को सम्बद्ध कर लें।

The hon. Finance Minister to respond on this issue.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, please take your seats. The hon. Finance Minister is responding.

...(Interruptions)

**वित्त मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी):** आप कृपा करके बैठिए, नहीं तो मैं नहीं बोलूँगा। मुझे रिस्पांड करने की कोई जरूरत नहीं है। I wanted to respond to him, and you are all just obstructing me!...(Interruptions)

**अध्यक्ष महोदया :** कृपया आप लोग बैठ जाइए।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Madam, I am aware of this fact. In fact, this issue was raised a couple of days back, what you raised now. Therefore, I have looked into it and I am assuring, Madam, through you to this House that a technical requirement is there, which is to be rectified, and there will be no question of retuning or recovering the money. On earlier occasions, there have been three precedents where the Cabinet took the decision that technically, it was to be adjusted from the next year. But the Government decided that keeping in view the magnitude of the disaster, there will be no recovery.[\[R2\]](#)

What has been given to Bihar will continue to be their money. There is no question of recovery. Please wait. ...*(Interruptions)*

-----

SHRI ARJUN CHARAN SETHI (BHADRAK): What about Orissa? उड़ीसा में भी ऐसा ही हुआ है और हमने भी इसका नोटिस दिया है।

SHRI PRANAB MUKHERJEE: It is not the question of Orissa, Mr. Sethi. You cannot bring everything here....*(Interruptions)*

SHRI ARJUN CHARAN SETHI : No, I have given the notice...*(Interruptions)*

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Whatever I have to say, I have said it. Enough is enough....*(Interruptions)*

SHRI ARJUN CHARAN SETHI : Madam, I have also given the notice. Please allow me. ...*(Interruptions)*

**संसदीय कार्य मंत्री और जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल):** मैंडम, यह खुद मंत्री थे उस वक्त और तब इन्होंने क्या किया जो अब इसे यहां उठा रहे हैं।...[\(व्यवधान\)](#)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Even the then NDA Government refused to declare it as a national calamity. I know it. I was in-charge of that famous cyclone....*(Interruptions)*

MADAM SPEAKER: Your notice is not here.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(Interruptions)

MADAM SPEAKER: Shrimati Meena Singh, please sit down.

...(Interruptions)

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Every time you will get up and say something.